भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3203

(दिनांक 11.03.2026 को उत्तर देने के लिए)

प्रदर्शनियों में भाग लेने वालों के लिए दिशानिर्देश

3203. श्री सचिदानन्दम आर.:

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या प्रदर्शकों के लिए प्रतिनिधित्व, उत्पाद की उत्पत्ति और कार्यक्रम में प्रदर्शित की गई प्रौद्योगिकी के बारे में दावों के लिए कोई दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए थे और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) प्रतिभागियों के लिए निर्धारित मानदंडों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या मंत्रालय ने शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले संस्थानों द्वारा किए गए नवाचार के दावों का सत्यापन किया है और यदि हां, तो सत्यापन प्रक्रिया का ब्यौरा क्या है;

(घ) एआई शिखर सम्मेलन के लिए निजी विश्वविद्यालय का चयन किस आधार पर किया गया था; और

(ङ) सरकार ने किस प्रकार विश्वविद्यालय द्वारा किए गए फर्जी दावे को भारत की उपलब्धि के रूप में लोकप्रिय बनाने का प्रयास किया है जिससे अनुसंधान और विकास तथा शिक्षा के क्षेत्र में देश की विश्वसनीयता कम हुई है?

उत्तर

सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री

(डॉ. एल. मुरूगन)

(क) से (ङ): माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप, सरकार प्रौद्योगिकी के विकास और उपयोग को लोकतांत्रिक बना रही है। इसका केंद्र कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान के लिए करना है, ताकि विभिन्न क्षेत्रों में जीवन में सुधार लाया जा सके। इसके महत्व को पहचानते हुए, भारत सरकार एआई के जिम्मेदार और समावेशी उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय भागीदारों, उद्योग, शिक्षाविदों तथा राज्यों के साथ मिलकर कार्य कर रही है।

भारत ने 16 से 21 फरवरी 2026 के दौरान भारत मंडपम, नई दिल्ली में इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की मेजबानी की। पहली बार, वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन ग्लोबल साऊथ में आयोजित हुआ। यह परिवर्तन अधिक समावेशी वैश्विक एआई संवाद की दिशा में एक व्यापक बदलाव का संकेत देता है।

यह शिखर सम्मेलन एक ऐतिहासिक वैश्विक संगम के रूप में संपन्न हुआ, जिसने कृत्रिम बुद्धिमत्ता नवाचार, शासन, साझेदारी तथा समावेशी विकास के लिए भारत को एक वैश्विक केंद्र के रूप में सुदृढ़ रूप से स्थापित किया। यह पाँच-दिवसीय महा-आयोजन, जो किसी भी विकासशील राष्ट्र द्वारा आयोजित अपने प्रकार का सबसे बड़ा आयोजन था, ने "सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय" (सभी के हित के लिए, सभी की खुशी के लिए) थीम के अंतर्गत सरकारों, उद्योग, शिक्षाविदों, नागरिक समाज तथा स्टार्टअप्स के लीडरों को एक साथ लाया।

इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो का आयोजन इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के एक सहायक कार्यक्रम के रूप में किया गया, जिसका उद्देश्य वैश्विक कल्याण के लिए भारत की एआई क्षमता को प्रदर्शित करना था। भागीदारी के लिए एआई इकोसिस्टम भागीदारों से रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) के माध्यम से आमंत्रण दिया गया, जिनमें कॉरपोरेट, स्टार्टअप्स, देशीय प्रतिनिधित्व, केंद्रीय सरकार (मंत्रालय एवं विभाग), राज्य सरकारें, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, शिक्षाविद/अनुसंधान संस्थान तथा गैर-सरकारी संगठन शामिल थे। प्रदर्शनी स्थल का आवंटन पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर, उपलब्ध स्थान तथा एक्सपो के स्वीकृत फ्रेमवर्क के अंतर्गत किया गया।

इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो में प्रदर्शित सामग्री की प्रकृति, किए गए प्रतिनिधित्वों तथा लागू विधिक एवं विनियामक आवश्यकताओं के अनुपालन की जिम्मेदारी संबंधित प्रदर्शकों की थी।

सरकार ने प्रदर्शक द्वारा किए गए किसी भी भ्रामक दावे को लोकप्रिय बनाने का प्रयास नहीं किया। सरकार ने संबंधित प्रदर्शक के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की।

*****